सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 313 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 21 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर पर रह कर नहीं हल की जा सकती है जिस पर वह उत्पन्न हुई है।
– अल्बर्ट आइंस्टीन

मेलबर्न ग्राउंड पर रहा है भारत का... 7 | हुजूर आते-आते बहुत देर कर... 3 | संघ प्रमुख ड्रामेबाजी कर रहे... 2

लुट गई जनता की गाढ़ी कमाई

खाया पिया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा बारह आना

- अब तक का सबसे कम कामकाज वाला रहा सत्र
- सदन में 26 दिनों के इस सत्र में 19 बैठकें हुईं
- दोनों सदन में मात्र 105 घंटे ही कार्यवाही चली
- लोस में पांच सरकारी विधेयक पेश किए गए और चार पारित किए गए
- शीतकालीन सत्र में सबसे कम उत्पादकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अठारहवीं लोकसभा का तीसरा सत्र शुक्रवार को संपन्न हो गया। इस शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार में बैठी भाजपा की हट की वजह से जनता की गाढ़ी कमाई पानी बह गये। दरअसल लोस में 20 बैठकें हुईं और लोकसभा मात्र 62 घंटे ही चली। दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सबसे बड़ी विडंबना तो यह रही की इस बीच जनता से जुड़े मुद्दों पर बहस नहीं हुई। इस बीच सरकार करोड़ों रुपये स्वाहा हो गए।

सत्ता पक्ष व विपक्ष बस एक दूसरे पर हमला करते रहे और लोक सभा व राज्य सभा की कार्यवाहियां शुरू होते स्थगित होती चली गईं। हालांकि सरकार ने आनन-फानन कुछ विधेयक पारित करा लिए। लोकसभा के इस सत्र के दौरान उत्पादकता मात्र 57.87 प्रतिशत रही। सत्र के दौरान लोकसभा में पांच सरकारी विधेयक पेश किए गए और चार विधेयक पारित किए गए। शून्य काल के दौरान अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए और नियम 377 के अंतर्गत 397 मामले उठाए गए। यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था। भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा 13 और 14 दिसंबर को हुई। शून्य काल के दौरान 61 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। लोक सभा का शीतकालीन सत्र अब तक के सभी सत्रों में सबसे कम उत्पादकता वाला रहा। लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57प्रतिशत रही और राज्यसभा की प्रोडक्टिविटी 43 प्रतिशत रही। संविधान पर चार दिन चर्चा चली और बाकी समय शोरशराबा और हंगामा होता रहा। यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था। 26 दिनों के इस सत्र में 19 बैठकें हुईं।

संसद में कामकाज में लगातार काम में आ रही कमी

संसद में कामकाज में लगातार काम में कमी आ रही है. पिछले 10 सत्रों के आंकड़ों से यही संकेत मिलते हैं। अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र में प्रोडक्टिविटी 135प्रतिशत रही। इस दौरान राज्यसभा में प्रोडक्टिविटी 112प्रतिशत रही थी। 17वीं लोकसभा में 274 बैठकें हुई थीं और 222 बिल पास हुए थे। अधिकांश बिल पेश होने के दो हफ्ते के भीतर पास हुए थे। इनमें से एक तिहाई बिल एक घंटे से भी कम समय में पास हो गए थे। केवल 16प्रतिशत बिल ही स्टैंडिंग कमेटी को भेजे गए थे. 17वीं लोकसभा ने केवल 1,354 घंटे काम किया गया।15 में से 11 सत्र समय से पहले स्थगित किए गए. ।

सांसदों के निलंबन का आंकड़ा भी बढ़ा

सांसदों के निलंबन का आंकड़ा भी बढ़ा है. पहली लोकसभा में एक सांसद का निलंबन हुआ था। आठवीं लोकसभा में 66, चौदहवीं लोकसभा में 50, सोलहवीं लोकसभा में 81 और सत्रहवीं लोकसभा में 115 सांसदों का निलंबन हुआ।

संसद की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी : बिरला

अठारहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र के अंतिम दिन अपने समापन भाषण में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संसद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि संसद के किसी भी द्वार पर धरना, प्रदर्शन करना उचित नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यदि इसका उल्लंघन होता है तो संसद को अपनी मर्यादा और गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का अधिकार है। उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि उन्हें किसी भी दशा में नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए।

दो विधेयक जेपीसी को दिए गए

संसद का शीतकालीन सत्र एक तरह से पूरा का पूरा हंगामे की भेंट चढ़ गया। इस बार सत्र में कोई खास काम नहीं हो सका। सरकार ने एक देश, एक चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण विधेयक संसद में पेश तो कर दिया लेकिन इसे जेपीसी को विचार के लिए भेज दिया गया। इसके अलावा वक्फ विधेयक भी टाल दिया गया। इस सत्र में संविधान पर जरूर चर्चा हुई लेकिन वह भी आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित रही।

आबकारी नीति मामले में केजरीवाल की बढ़ीं मुश्किलें

- एलजी ने ईडी को दी केस चलाने की अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल पर आबकारी नीति मामले में मुकदमा चलाने के लिए ईडी को मंजूरी दे दी है। उधर इस पर राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा होने लगी है कि भाजपा ने आप की सक्रियता से घबराकर ईडी का इस्तेमाल करवाया है।

ईडी का आरोप है कि अरविंद केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर संस्थाओं को अनुचित लाभ पहुंचाया था।

आप ने आरोपों को किया था खारिज

इन आरोपों को लेकर आम आदमी पार्टी ने कहा था, तथाकथित शराब घोटाले की जांच दो साल तक चली, 500 लोगों को परेशान किया गया, 50,000 पन्नों के दस्तावेज दाखिल किए गए और 250 से अधिक छापे मारे गए और एक पैसा भी बरामद नहीं हुआ। विभिन्न अदालती आदेशों द्वारा मामले में कई खामियां उजागर हुई हैं। भाजपा का असली लक्ष्य किसी भी तरह से आप और अरविंद केजरीवाल को कुचलना था।

उपराज्यपाल कार्यालय ने जारी किया बयान

उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा जारी किए गए बयान में कहा गया है कि दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने आबकारी नीति मामले में AAP प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय को मंजूरी दे दी है। 5 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी थी।

संघ प्रमुख ड्रामेबाजी कर रहे हैं : सपा

» भाजपा व मुख्यमंत्री योगी के इशारे पर पुलिस प्रशासन जुटा है मंदिर ढूंढने में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संघ प्रमुख भागवत के इस बयान पर कि कोई मंदिर बनाने से हिंदुओं का नेता नहीं बन जाता और हर मस्जिद के नीचे मंदिर नही ढूंढना चाहिए पर समाजवादी पार्टी की प्रतिक्रि या आई है। सपा ने कहा है कि संघ प्रमुख ड्रामेबाजी कर रहे हैं और वह जानते हैं ये सब कौन का रहा है । सपा ने इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार बताया है।

समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबी पोस्ट लिखकर मंदिर-मस्जिद विवाद पर प्रतिक्रि या दी और लिखा- भाजपा सीएम योगी के इशारे पर पुलिस प्रशासन मंदिर ढूंढने में जुटा है, मीडिया और प्रशासन बता रहे हैं कि फलां जगह इतने साल पुराना मंदिर मिला फलां जगह उतने साल पुराना मंदिर मिला. दरअसल मंदिर मिला नहीं है, मंदिर सदैव से वहीं था, ना किसी ने कब्जा किया ना किसी ने खंडित किया, ऐसे बहुत से मंदिर हैं जो पूजन के अभाव में खाली हैं और देवता वहां श्रद्धालुओं का इंतजार कर रहे हैं।

सीएम योगी मंदिर मस्जिद करते हैं

सपा ने आगे कहा कि साढ़े सात साल से सीएम योगी सो रहे थे? साढ़े सात साल से ये मंदिर नहीं मिल रहे थे? इसके पूर्व भी भाजपा की राजनाथ सिंह कल्याण सिंह रामप्रकाश गुप्ता नेतृत्वकारी भाजपा सरकारें रहीं, तब क्यों नहीं ये मंदिर ढूढे गए या तब क्यों नहीं मिले? जब बनारस में कॉरिडोर निर्माण के नाम पर सैंकड़ों साल पुराने शिव, गणेश, हनुमान मंदिरों को भाजपा सत्ता ने तुड़वाया तब ये मीडिया और भक्त कहां थे? वाराणसी का मूल स्वरूप ही भाजपा ने बर्बाद कर डाला, धर्म को धंधा बना रहे हैं ये भाजपाई ,मंदिरों और आस्था का कॉमर्शियलाइजेशन हो रहा है।

योगी को हो गया है 2027 में अपनी सत्ता जाने का आभास

दरअसल सारा खेल सिर्फ इतना है कि सीएम योगी को 2027 में अपनी सत्ता जाने का आभास हो गया है, ये सरकारी और भाजपाई गुंडई, बेईमानी मंदिर मस्जिद, हिंदू मुसलमान, दंगा फसाद हिंसा और सनसनी फैलाने का खेल इसी सत्ता और कुर्सी को बचाने के लिए सीएम योगी/भाजपा द्वारा खेला जा रहा है, मुसलमानों के खिलाफ जनता में माहौल बनाया जा रहा है।

लोस में हार के बाद डरी बीजेपी

भाजपा जबसे लोकसभा में सपा से हारी है तबसे हिली और डरी हुई है, सीएम योगी हिले और डरे हुए हैं. प्रशासन और मीडिया का इस्तेमाल करके सीएम योगी सिर्फ सनसनी फैला रहे हैं और जनता को सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, नौकरी, आरक्षण, भाजपाई गुंडई जैसे मुद्दों से भटका रहे हैं। सीएम योगी ने अपने संरक्षण में सिर्फ भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा दिया है और अपराध और भ्रष्टाचार का साम्राज्य ही वे कायम करना चाहते हैं।

सपाइयों ने फूंका गृहमंत्री का पुतला

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर टिप्पणी के आरोप में सपा कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री का पुतला जलाकर विरोध जताया। शुक्रवार को दोपहर सपा कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय गौरीगंज में एसपी आवास के पास नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। वहीं, मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ताओं से पुतला छीनकर आग बुझा दी। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य सूबेदार यादव ने कहा कि बाबा साहब न केवल समाजवादियों के, बल्कि पूरे देश के शोषित, वंचित, पीड़ित और समाज के लिए पूजनीय हैं। हर समाज के लोग उनको भगवान की दृष्टि से देखते हैं। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आंबेडकर साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा। छात्र सभा के जिला अध्यक्ष पंकज शुक्ला ने कहा कि गृहमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस दौरान रिषभ सिंह, अरविंद यादव, सऊद फैज, गौरव वर्मा, इमरान, ललित यादव, बृजेश यादव, आदर्श सिंह, अभय प्रताप यादव, आयुष यादव, अंकित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्वांचल के लोगों का अधिकार छीन रही बीजेपी : केजरीवाल

» भाजपा पर आप का हमला रोहिंग्या कहने वालों को जवाब देंगे पूर्वांचली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने संसद में हमारे पूर्वांचली भाइयों की रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और घुसपैठियों से तुलना की। इसका जवाब दिल्ली का पूरा पूर्वांचली समाज अब बीजेपी को देगा।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने पूर्वांचल के लोगों के नाम चुनाव आयोग को दिए हैं, ताकि चुनाव सूची से उनका काटा जा सके। ये लोग 30-40 साल से दिल्ली में रहकर दिल्ली का विकास किया। अब इनसे उनका जीने का अधिकार छीना जा रहा है। इनसे सारी सरकारी सुविधाएं छीने जाने की साजिश रची जा रही है। ये इसलिए इनके नाम वोटर लिस्ट से कटवाने के लिए दिए हैं क्योंकि ये आम आदमी पार्टी के वोटर हैं। ये लोग अपनी गंदी राजनीति के तहत इनके नाम कटवा रही है। ये लोग इनको उजाड़ने का काम कर रही है, जबकि हमारी पार्टी ने इन्हें सम्मान देने और बसाने का काम किया है। यूपी-बिहार के लोग दिल्ली दो वजह से आते हैं। एक कमाने के लिए दूसरा छात्र वर्ग पढ़ने दिल्ली आते हैं। ये जब यहां आते हैं तो इनके पास इतने पैसे नहीं होते कि महंगी जगहों पर रह सकें। इसलिए ये कच्ची कॉलोनियों में रहते हैं। जब सरकार में आया तो मैंने अफसरों को बुलाया और कहा कि मुझे इन कच्ची कॉलोनियों में सड़के बनानी हैं। तो अफसरों ने कहा कि ये नहीं हो सकता क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। लेकिन मैंने सारी अड़चने दूर करके इन कॉलोनियों का विकास किया। हमने इनको सम्मान और इज्जत की जिंदगी है।

सीएम नीतीश माफी मांग अलविदा यात्रा करें : तेजस्वी

» राजद ने फिर भाजपा-जदयू को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर से सीएम नीतीश कुमार की यात्रा पर हमला बोला है। तेजस्वी ने उनकी यात्रा को अलविदा यात्रा का नाम दिया है। तेजस्वी ने लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दो अरब 25 करोड़ 78 लाख की अलविदा यात्रा पर निकलने से पूर्व बिहार की जनता से क्षमा-याचना मांगनी चाहिए कि 20 वर्षों में कथित यात्राओं के माध्यम से राजनीतिक पर्यटन पर निकलने के बावजूद वो अभी तक वास्तविक तथ्य-सत्य और साक्ष्य क्यों नहीं जान एवं समझ पाए है? नेता प्रतिपक्ष ने 13 सवालों का जिक्र किया। कहा कि मुख्यमंत्री जनता के इन वाजिब सवालों के जवाब दें।

नीतीश कुमारबताएं कि 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद भी बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम क्यों है? बीस साल मुख्यमंत्री रहने के बाद भी बिहार मानव विकास सूचकांक और नीति आयोग के सत्तत विकास सूचकांक के हर मापदंड में सबसे पीछे क्यों है? एक भी संकेतक को सुधारने में क्या 200 साल और चाहिए?. बीस साल बाद भी सीएम नीतीश क्यों नहीं जान पाए है कि बिहार के स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है? बिहार के 5681? बारम्बार यात्राएं करने के बाद भी सीएम नीतीश कुमार को यह पता क्यों नहीं चलता था कि जिला सदर अस्पताल, मेडिकल कॉलेज एवं अनुमंडलीय अस्पतालों के हालात इतने बदतर क्यों थे? 17 महीने में हमने मिशन-60, मिशन परिवर्तन और मिशन बुनियाद के तहत सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में क्रांतिकारी बदलाव के साथ चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मियों, उपकरणों एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करायी। हमारे हटने के बाद से फिर एक साल में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में गिरावट क्यों हुई, क्या मुख्यमंत्री इसमें सुधार का प्रयास करेंगे?

थानों व कार्यालयों में रिश्वतखोरी एवं अफसरशाही हो गई है हावी

राजद नेता ने पूछा बिहार के थानों व कार्यालयों में रिश्वतखोरी एवं अफ़सरशाही क्यों है? जिला मुख्यालय से बाहर निकलकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह जानने की कोशिश क्यों नहीं की। सीएम ने जब यात्राएं शुरू नहीं की थी तब बिहार की चीनी मिलें चलती थी लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा यात्राएं शुरू करने के बाद से सभी चीनी मिल बंद क्यों है? मुख्यमंत्री जवाब दें उन्होंने चीनी मिले बंद क्यों करायी? 10 बरसों से डबल इंजन सरकार होने के बावजूद भी चीनी मिल शुरू क्यों नहीं हो पाई। पहले की यात्राओं के दौरान की गयी घोषणाओं, आश्वासनों और निर्देशों का अनुपालन नहीं होना क्या एक विफल, कमजोर, रिटायर्ड अधिकारियों पर आश्रित बेबस मुख्यमंत्री का परिचायक नहीं है? क्या मुख्यमंत्री को अपनी विफलता के लिए क्षमाप्रार्थी नहीं होना चाहिए?

30 जनवरी को केजरीवाल की याचिका पर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट 30 जनवरी 2025 को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के आदेश के खिलाफ अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील ने सूचित किया कि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू शुक्रवार को प्रस्तुतियां देने वाले थे, लेकिन वह नहीं पहुंच सके। अदालत ने केजरीवाल के वकील के अनुरोध पर मामले को शुरू में 19 फरवरी 2025 के लिए सूचीबद्ध किया था। इसके बाद 30 जनवरी को पोस्ट किया है। केजरीवाल के वकील ने स्थगन के ईडी के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा, यहां एक व्यक्ति है, जिसके चुनाव जनवरी में आ रहे हैं और वह मामले पर बहस करने के लिए दूसरे पक्ष का अंतहीन इंतजार कर रहा है। अदालत ने आप नेता मनीष सिसौदिया की इसी तरह की याचिका पर भी 30 जनवरी 2025 की सुनवाई तय की।

किसी के बाप से नहीं हटेगी मोदी सरकार : मोहन यादव

» एमपी सीएम बोले- राहुल गांधी की मम्मी और बहन भी आ जाएं तो भी कोई खतरा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजराना गणेश मंदिर में भक्त निवास और अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासनकाल में महू जैसे महत्वपूर्ण स्थानों के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने नागपुर, मुंबई और इंग्लैंड तक में अंबेडकर से जुड़े स्थलों का संरक्षण और विकास किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की स्थिरता की बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को अंगद के पांव के समान अटल बताया। उन्होंने विपक्ष, विशेष रूप से राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी, पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी सरकार को गिराने के सभी प्रयास असफल होंगे क्योंकि जनता के बीच उनकी लोकप्रियता सर्वोपरि है। राहुल बाबा, तुम भी आ जाओ, तुम्हारी बहन भी आ जाओ, तुम्हारी मम्मी भी आ जाओ। मोदी जी की सरकार पर कोई आंच आने वाली नहीं है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गरीबों, मजदूरों, और समाज के सभी वर्गों के उत्थान की बात भी दोहराई।

हुजूर आते-आते बहुत देर कर दी!

अंबेडकर के अपमान के मुद्दे पर देर से जागीं मायावती, कांग्रेस ने सब पर बढ़ाई बढ़त, नीतीश व नायडू की चुप्पी पर भी सवाल, केजरीवाल ने लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के अपमान का मुददा शीर्ष पर है और इसको लेकर राजनीति चरम पर। इस मुद्दे को भाजपा व कांग्रेस में रार मची है। जहां कांग्रेस इस मुद्दे पर पूरे देश में भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर हमलावर है। वहीं बसपा द्वारा देर पर आए प्रतिक्रिया को लेकर भी सियासी गलियारों में चर्चा ंजोरों पर है। हालांकि सियासी रणनीतिकार कहने लगे हैं बहन जी ने इस मुद्दे पर प्रतिकिया देने में देर कर दी ।

वहीं ये भी चर्चा है कि इस मुददे पर न तो अभी तक चन्द्रबाबू नायडू का बयान आया है और न ही बिहार के सीएम नीतिश कुमार ने अपने लब खोले हैं। यूपी की सत्ता पर चार बार काबिज हो चुकी बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती भी देर से जागी प्रातीत होती है। इस पूरे प्रकरण पर तीन दिनों से देश की राजनीति में कोहराम है लेकिन यूपी की सत्ता पर चार बार काबिज हो चुकी मायावती ने महज एक टिवट और प्रेस कांफ्रेंस की। उस प्रेस कांफ्रेंस में भी उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को अपने निशाने पर रखा।

अरविंद केजरीवाल ने भी किया प्रहार

गृहमंत्री अमित शाह के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर पर दिए बयान पर विपक्षी पार्टियां लगातार भाजपा को घेर रही हैं और जगह-जगह विरोध प्रदर्शन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल ने एनडीए के सहयोगी दलों को पत्र लिखकर उनका साथ छोड़ेने के लिए कहा है। केजरीवाल ने अंबेडकर विवाद को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने अपने पत्र में लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह का बयान न केवल अपमानजनक है बल्कि भाजपा की बाबासाहेब और हमारे संविधान के प्रति सोच को उजागर करता है। देश भर में करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। अरविंद केजरीवाल ने अपने पत्र में लिखा है कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू एनडीए सरकार के अहम सहयोगी हैं। उन्हें भाजपा से अपना समर्थन वापस लेने पर विचार करना चाहिए। ये बयान देने के बाद अमित शाह ने माफी मांगने की बजाय अपने बयान को उचित ठहराया।

इस मुद्दे को कांग्रेस-सपा और धार देगी

शाह के बयान पर कांग्रेस ने पूरे देश में भाजपा के खिलाफ मोचा खोल दिया है। संसद के अंदर ही नहीं आहर भी वह आक्र ामक रूख अपना रही है। कांग्रेस समेत सपा व राजद ने इस मुद्दे को और तेजी से उठाने की बात कही है। वहीं विपक्ष के नेता राहलु गांधी ने सत्तारूढ़ दल भाजपा पर ऐसी विचारधारा का पालन करने का भी आरोप लगाया जो अंबेडकर विरोधी और संविधान विरोधी है। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, गांधी ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को कमजोर करने के लिए भाजपा की आलोचना की। भाजपा के कार्य और नीतियां मौलिक रूप से समानता, न्याय और लोकतंत्र के उन मूल्यों के विपरीत हैं। संसद में बढ़ते तनाव के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद परिसर के भीतर हुई कथित हाथापाई को संबोधित करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया, और सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने के विपक्ष के प्रयासों में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सरकार राष्ट्रीय चिंताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है। गांधी ने भाजपा पर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े मामले से ध्यान भटकाने के लिए संसद में व्यवधान पैदा करने का भी आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने इस मामले पर चर्चा को दबाने और अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए जानबूझकर प्रयास किए। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि इस बात से पता चलता है कि सत्तापक्ष में किस स्तर की हताशा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के लोग बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान सहन नहीं करेंगे।

दिल्ली पुलिस ने संसद परिसर में हुई 'धक्का-मुक्की' के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज की। राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''आज पूरा देश देख रहा है कि भाजपा के लोगों ने राहुल गांधी जी पर तमाम मामले दर्ज करा रखे हैं। वे नित नई प्राथमिकी दर्ज कराते हैं और झूठ बोलते हैं।

यह उनकी हताशा का स्तर दिखाता है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, 'यह सरकार अडानी पर चर्चा से डरती है, किसी भी चर्चा से डरती है। अब उन्होंने जो किया है, उनके मन में आंबेडकर जी के प्रति जो असली भावना थी वह सामने आ गई है। उन्होंने कहा, 'अब वे विपक्ष से डर रहे हैं, क्योंकि अब हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं। राहुल कभी किसी को धक्का नहीं दे सकते। मैं उनकी बहन हूं, मैं उन्हें जानती हूं। वे ऐसा कभी नहीं कर सकते। सच कहूं तो, देश भी यह जानता है। ये सब ध्यान भटकाने वाली बातें हैं।

बयान हटाने के लिए दबाव : सुप्रिया श्रीनेत

कांग्रेस की सोशल मीडिया इंचार्ज सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि हमें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' से एक मेल मिला है, जिसमें बताया गया कि गृह मंत्रालय और आईटी मंत्रालय ने उन्हें एक चिट्ठी भेजी है, जिसमें कहा गया है कि वीडियो को हटा दिया जाए क्योंकि इसमें किसी कानून का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा कौन सा कानून है जो इस वीडियो के संबंध में उल्लंघन कर रहा है, जबकि जो कुछ भी अमित शाह ने कहा, वही राज्यसभा की उनकी स्पीच में था।

बसपा ने नहीं किया प्रदर्शन

इस पूरे प्रकरण पर बहुजन समाज पार्टी ने न तो कोई प्रर्दशन किया है और न ही कोई बयान दर्ज कराया है। जबकि आज संसद में नीली ड्रेस पहन कर राहुल-प्रियंका ने गजब कर दिया। मायावती के लिए यह मुददा एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खायी जैसा साबित हो रहा है। मायावती राजनीति में हाशिए पर है और धीरे-धीरे और कमजोर हो रही है। ऐसे में यदि वह इस मुद्दे पर कोई बड़ा आंदोलन खड़ा करती तो मैसेज पूरे देश में जाता लेकिन वह यह न कर सकी और मौका चूक गयी। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस भी काफी देर से की। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस बहुजन समाज पार्टी पर लंबे समय से बीजेपी को फायदा पहुंचाने का अरोप लगा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में मायावती ने 100 से ज्याद मुसलमानों को टिकट दिया था। मायावती ने मुसिलम बाहुल्य क्षेत्रों से थोक की तादात में मुस्लिम प्रत्याशी लड़ाये। जिसका नतीजा मुस्लिम वोटों में ध्रुवीकरण हुआ और इसका सीधा लाभ बीजेपी को मिला ।

सपा व राजद भी अंबेडकर मुद्दे पर भाजपा पर हमलावर

गृहमंत्री अमित शाह की ओर से लोकसभा में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर दिए गए बयान को लेकर राजनीतिक माहौल बिहार में भी गर्म हो गया है। इस बयान के खिलाफ राजद ने भी भाजपा पर हमला बोला है। राजद प्रमुख लालू यादव तो इतने नाराज हो गए कि उन्होंने गृहमंत्री को पागल करार दे दिया। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि अंबेडकर हमारे लिए फैशन नहीं है पैशन हैं। आने वाले समय में इस मुद्दे को लेकर बीजेपी को जनता के बीच में बेनकाब करेंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि संसद सत्र भले खत्म हो गया हो पर यह मुद्दा तब तक उठता रहेगा जब तक भाजपा सत्ता से बाहर न हो जाए। वहीं राजद कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रतिशोध मार्च निकाला और अरवल में अमित शाह का पुतला फूंका। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे स्थानीय विधायक सुदय यादव ने गृह मंत्री के बयान को 'अत्यंत निंदनीय' करार दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने भारत के संविधान का निर्माण कर देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया। गरीब, पिछड़े और दलित समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए उनके प्रयासों को दुनिया सलाम करती है। ऐसे महान व्यक्ति के खिलाफ बयान देकर गृहमंत्री ने देश के 90प्रतिशत लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। सुदय यादव ने चेतावनी दी कि अगर गृह मंत्री अमित शाह अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगते, तो राजद एक बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि यह पुतला दहन सिर्फ एक संदेश है कि बाबा साहेब आंबेडकर गरीबों और दलितों के मसीहा हैं। विधायक सुदय यादव ने बाबा साहेब के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने संविधान निर्माण के जरिए गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों को समानता और न्याय का अधिकार दिलाया। समाज के दबे-कुचले वर्ग को आरक्षण देकर मुख्यधारा में लाने का काम किया। अंबेडकर ने भारत को एक ऐसा मार्गदर्शन दिया, जिससे देश आज भी विकास कर रहा है। राजद कार्यकर्ताओं ने अपने प्रदर्शन के जरिए यह संदेश दिया कि बाबा साहेब आंबेडकर के खिलाफ किसी भी तरह की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए उन्होंने कहा कि जो आंबेडकर का अपमान करेगा, वो देशद्रोही कहलाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बहस में महापुरुषों पर टिप्पणी बंद हो!

सत्ता में बैठी बीजेपी कांग्रेस से ज्यादा गुनहगार है क्योंकि सरकार में वह है उसकी जिम्मेदारी है सदन की कार्रवाई मर्यादा में चले। विपक्ष का तो काम होता है सत्ता से सवाल पूछना ऐसे में विपक्ष तो मुद्दे उठाएगा ही पर यह सरकार व रुलिंग पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह दोनों पक्षों में सामंजस्य बिठाकर सदन चलवाए। दरअसल,लोकसभा में संविधान पर दो दिनों तक चली बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने आरक्षण, तानाशाही और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे

जिस तरह से संसद में बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में रार देखने को मिली वह भारतीय इतिहास में काले दिन के रूप में याद की जाएगी। जिस तरह से सांसदों ने संसद परिसर में धक्कामुक्की की वह घोर निंदनीय है। सत्ता में बैठी बीजेपी कांग्रेस से ज्यादा गुनहगार है क्योंकि सरकार में वह है उसकी जिम्मेदारी है सदन की कार्रवाई मर्यादा में चले। विपक्ष का तो काम होता है सत्ता से सवाल पूछना ऐसे में विपक्ष तो मुद्दे उठाएगा ही पर यह सरकार व रुलिंग पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह दोनों पक्षों में सामंजस्य बिठाकर सदन चलवाए। दरअसल,लोकसभा में संविधान पर दो दिनों तक चली बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने आरक्षण, तानाशाही और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। बहस के दौरान महापुरुषों को लेकर भी टिप्पणी की गई, जिस पर सवाल उठ रहे हैं। लोकसभा में संविधान को लेकर हुई बहस ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के नजरियों को स्पष्ट किया। आरक्षण पर बहस के दौरान विपक्ष ने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है। इस बहस का भी एक बड़ा बिंदु आरक्षण ही रहा। जहां विपक्ष ने इन आरोपों को दोहराया कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं की अपने अनुकूल गोलबंदी करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे भाजपा पर निशाना साधा वहीं पीएम मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं। पूरी बहस का यही बिंदु ऐसा था जो थोड़ा जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति को बिना शर्त करना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संविधान का मर्म समझ अनुकरण की जरूरत

विश्वनाथ सचदेव

भले ही घोषित उद्देश्य कुछ भी रहा हो पर संसद के दोनों सदनों में भारत के संविधान के संदर्भ में हुई चार दिन की बहस कुल मिलाकर निराश करने वाली ही थी। निश्चित रूप से यह एक ऐसा अवसर था जब हमारे सांसद न केवल संविधान को नये सिरे से समझने की कोशिश के रूप में उपयोग में ला सकते थे, बल्कि देश के सामने एक ऐसी रूप-रेखा भी रख सकते थे जो 'संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' की स्थापना के लिए 'हम भारत के लोगों ने समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर अपने लिए बनाया था। हमारा संविधान नागरिक के अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्तव्यों को भी परिभाषित करता है।

75 साल पहले हमने अपने लिए यह संविधान बनाया था और एक सपना देखा था कि इसके आधार पर हम एक नया भारत बनायेंगे। इसीलिए, यह एक अवसर था जब हम मिल-जुल कर यह आकलन करते कि हमारा यह संविधान, जो विश्व का सबसे वृहद लिखित संविधान है, अब तक अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल रहा है, नागरिक से और राजनेताओं से संविधान जो अपेक्षाएं करता है, उन्हें किस हद तक पूरा किया गया है और हमें अपने लक्ष्यों तक पहुंचाने में यह संविधान अब तक कितना कुछ कर पाया है। यह अवसर था जब हम देखते कि संविधान में वर्णित सपनों को पूरा करने में हम कितनी दूरी तक पहुंच पाये हैं?

वस्तुत: यह आत्म-विश्लेषण का भी अवसर था। अपनी उपलब्धियों और कमियों का ईमानदार आकलन होना चाहिए था। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा कुछ हुआ नहीं। इस संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में जो कुछ हुआ वह कुल- मिलाकर निराश करने वाला ही था। सारी बहस के दौरान कहीं ऐसा नहीं लगा कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष ने इस संदर्भ में कोई विशेष तैयारी की थी। एक-दूसरे पर आरोपों-प्रत्यारोपों का वही सिलसिला इस बार भी दिखा जो दुर्भाग्य से हमारी संसद में होने वाली बहसों की एक पहचान बन चुका है।

यह कहना गलत होगा कि हमारी संसद में सही सोच वाले और दूसरे की बात को सही ढंग से समझने वाले लोग हैं ही नहीं, पर पता नहीं क्यों हमारे राजनीतिक दल और अधिकांश राजनेता व्यक्तिगत आरोपों-प्रत्यारोपों

से ऊपर उठकर कुछ सोचने-कहने के लिए तैयार ही नहीं दिखते।

विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाने वाले हमारे संविधान-निर्माताओं ने इसे तैयार करने के लिए हर धारा, हर शब्द पर गहराई और गंभीरता से विचार किया था। संविधान-सभा की सारी कार्रवाई उपलब्ध है। पर उन्होंने बड़े ही धैर्य से मतभेदों की कंटीली राहों में विवेक के आधार पर पगडंडियां बनायीं- हमारे लिए एक ऐसी विरासत छोड़ गये जो हमारी राहों को सुगम बना सकती थी। यह अवसर उस विरासत के बारे में विचार करने का था, उन दार्शनिक आधारों को समझने का था जो हमारी विकास-यात्रा के लिए हमारे पूर्वजों ने हमें सौंपे थे। दुर्भाग्य ही है कि संसद में हुई चार दिन की बहस कुछ व्यक्तियों-परिवारों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। लगभग सभी वक्ता वही सब बोले जो वह चुनावी सभाओं में बोलते चले आ रहे हैं। वही सोच, वही शब्दावली। मैं दुहराना चाहता हूं कि यह अवसर आरोपों-प्रत्यारोपों का नहीं, आत्मालोचन का था। संसद में पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए दूसरे की कमीज को अधिक मैला साबित करने के बजाय अपनी कमीज के दागों को देखने का मौका था यह। नुकसान हुआ है भारत के उस आम नागरिक का जो सब कुछ देखने के बावजूद उम्मीद लगाये बैठा है कि उसके नेता कभी तो सही राह पर आयेंगे।

सारी बहस व्यक्तियों पर केंद्रित होकर रह जाती है। व्यक्तियों की गलतियों की चर्चा होनी चाहिए, पर यह चर्चा यहीं सिमटनी भी नहीं चाहिए। बात विचारों पर होनी चाहिए। सोचा जाना चाहिए था कि बाबा साहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद, पुरुषोत्तम दास टंडन, श्यामाप्रसाद मुखर्जी, अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर जैसे व्यक्तित्वों ने क्या सोचकर हमें एक ऐसा संविधान दिया जिसके कारण पिछले पिचहत्तर साल में हमारा लोकतंत्र सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर के लिए मिसाल बना हुआ है? ऐसा नहीं है कि इस दौरान संविधान के संदर्भ में कोई गलती नहीं हुई।

नदियों के मिलन से बहेगी विकास की धारा

प्रमोद भार्गव

मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रखी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। इसके बाद भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना पर 72000 करोड़ रुपए खर्च होंगे जिसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ मौजूदा चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार किया जाएगा। ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं तो सिंचाई के लिए कृषि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरुआत केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से कर दी थी। ये परियोजनाएं जल-शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेशान देश में इन नदी परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्षा-चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिये भेजा जाए। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। हालांकि पर्यावरणविद् इन प्रोजेक्ट्स का विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी व विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा।

नर्मदा और क्षिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्ष 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। कालांतर राजनीतिक स्थितियां बदलीं तो परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की ओर बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य-प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना पर बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है।

दुनिया के महासागरों, हिमखंडों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भंडार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोगी जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखंडों के पिघलने और वर्षा न होने के चलते जल स्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृषि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है जिसका मुख्य स्रोत नदियां और भू-जल हैं। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और गंदगी बहाना जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां बेहद प्रदूषित हो गई हैं।

प्रस्तावित करीब 120 अरब डॉलर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ो परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्षिण जल क्षेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृष्णा, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पश्चिम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्षिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना व दक्षिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है।

हिमालय क्षेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृष्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्षाजल इकट्ठा हो और उत्तर-प्रदेश, बिहार एवं असम को भयंकर बाढ़ से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्षेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंडक, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दामोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा। करीब 13,500 किमी लंबी ये नदियां भारत के संपूर्ण मैदानी क्षेत्रों में बहती हैं। वही 2528 लाख हेक्टेयर भूखंडों और वनप्रांतरों में प्रवाहित इन नदियों में प्रति व्यक्ति 690 घनमीटर जल है। कृषि योग्य 546 लाख हेक्टेयर भूमि इन्हीं नदियों की बदौलत सिंचित होती है।

नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा हो तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। इसलिए नदी जोड़ो परियोजनाओं को भविष्य के लिए लाभदायी माना जा रहा है।

बच्चों की शरारतें दूर करने के लिए करें ये काम

बच्चे चंचल और शरारती होते हैं। लेकिन कई बार वे कुछ ज्यादा ही शरारत करने लगते हैं, खासकर किसी रिश्तेदार के घर जाने पर और तब वहां आपको शर्मिंदा होना पड़ता है? बच्चों को किसी रिश्तेदार के घर लेकर जाना माता-पिता के लिए सबसे मुश्किल काम होता है, क्योंकि वहां वे न सिर्फ खाने को लेकर नखरे दिखाते हैं, बल्कि शरारत भी करते हैं। इस वजह से कई बार अभिभावकों को शर्मिंदा भी होना पड़ता है। इस स्थिति में मन में बस यही ख्याल आता है कि 'बेकार ही आ गए। इससे अच्छा तो घर पर ही रहते।' लेकिन आप थोड़ी-सी समझदारी दिखाकर और बच्चों में अच्छी आदतें डालकर उन्हें रिश्तेदारों के घर शरारतें करने से रोक सकती हैं।

एक सूची बनाएं

हर बच्चे का शरारत करने का ढंग अलग होता है। कुछ बच्चे शोर मचाते हुए शरारतें करते हैं तो कुछ चुपचाप रहकर बड़ी शरारत कर जाते हैं। इसलिए आप बच्चे के इमोशन को ट्रिगर करने वाली चीजों की सूची बनाएं। उसकी शरारत के पीछे के कारणों को जानें और समझें कि वह ऐसा क्यों करता है। जब आप इन चीजों को पहचान लेंगी तो बच्चे की शरारती हरकतों को शांत करना आपके लिए बहुत आसान हो जाएगा। इसके अलावा अपने आप को उस एज में रखकर समझें कि उनके कहने का क्या मतलब है। जब भी बच्चों की किसी बात पर गुस्सा आए तो फौरन रिएक्ट करने की बजाय उसे समझने की कोशिश करें।

सबके सामने गुस्सा नहीं

माता पिता को कभी भी शरारत करने पर बच्चों को सबके सामने डांटने या कमरे में बंद कर देने जैसी सख्त सजा कभी नहीं देनी चाहिए। क्योंकि यह उनके मन को चोट पहुंचाता है और उनमें आक्रोश पैदा कर सकता है। इसलिए आप उन्हें पहले शरारत से होने वाले नुकसान के बारे में समझाएं। बच्चे को हमेशा प्यार से बताएं कि थोड़ी-बहुत हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन ज्यादा शरारत करना संबंधियों के आगे माता-पिता की छवि को खराब करता है।

सबके सामने डांटने या कमरे में बंद कर देने की सजा न दें

बच्चों को गलतियां करने दें

पैरेंट्स अक्सर बच्चों की गलतियों को सही करने की कोशिश करते हैं लेकिन माता-पिता को ये समझना होग बच्चे गलतियों से ही सीखते हैं। इसलिए हर बार उनकी गलती को सुधारने की बजाय उन्हें फ्री छोड़ दें और कुछ छोटी गलतियां करन दें। जिनसे उन्हें फ्यूचर के लिए सीख मिल सकें।

उनको समझें

अगर आप बच्चों की उम्र के हिसाब से खुद को उनकी जगह रखेंगी तो इस बात को समझ पाएंगी कि आखिर वे शरारत क्यों करते हैं। जब भी बच्चे रिश्तेदारों के सामने शरारत करें तो उन पर गुस्सा करने के बजाय उनकी भावनाओं को समझें। आप समझें कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। हो सकता है, वे अपनी कोई बात मनवाना चाहते हों! इस स्थिति में आपको उन्हें बताना होगा कि 'यह हमारा घर नहीं है। तुम्हें घर पर वह चीज मिल जाएगी।' ऐसी बातें समझाने और कहने से बच्चे आपकी भावनाओं को समझ पाते हैं।

शांति से समझाएं

अच्छी परवरिश का सबसे पहला नियम है, प्यार और शांति। आप जितना अधिक शांत भाव से अपने बच्चों की परवरिश करेंगी, बच्चे भी उतने ही सभ्य और आज्ञाकारी बनेंगे। जिन बच्चों के माता-पिता बात-बात पर गुस्से में आ जाते हैं या कुछ ज्यादा ही ओवर रिएक्ट करते हैं, उनके बच्चे उनसे दूर हो जाते हैं और बातें छुपाने लगते हैं। आपके साथ ऐसा न हो, इसलिए अपने बच्चों को प्यार और शांति से सही-गलत का अंदर समझाएं।

अपनी गलती मानें

बच्चे को सॉरी कहने में कोई बुराई नहीं है। दिल से उनके सामने अपनी गलती को स्वीकार करें। इससे आप आसानी से बच्चे के साथ रिकनेक्ट कर पाएंगे। उसे यह भी बताएं कि आप उससे माफी क्यों मांग रहे हैं। आपके ऐसा करने से बच्चे को यह भी समझ आएगा कि गलती करने पर मांफी मांगने या अपनी गलती को स्वीकार करने में कुछ गलत नहीं है।

हंसना मना है

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नहीं निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नहीं चबा सकते?

अर्ज है- रोज-रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबको मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड़ मारने पर नाराज वाईफ से हसबंड बोला-आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नहीं करती।

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब..मेरे पति को रात में बडबड़ाने की आदत है, कोई उपाय बतायें? डॉक्टर-आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

व्यापारिक यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क

धन के लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है।

सिंह

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक

आय में निश्चितता रहेगी। राजभय बना रहेगा। घरेलू विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ

कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। प्रमाद न करें।

मीन

व्यापार में सोच-समझकर निर्णय लें। माता को पुराना रोग उभर सकता है। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

बॉलीवुड | अपकमिंग

कबीर खान ने धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलाया हाथ

कबीर खान अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं। बजरंगी भाईजान जैसी यादगार हिट देने के बाद निर्देशक अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म फिलहाल अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है। वहीं, इसकी कास्टिंग को लेकर दिलचस्प रिपोर्ट सामने आई है। इसने प्रशंसकों का खासा ध्यान आकर्षित किया है। कबीर खान की नवीनतम परियोजना एक हाई ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी, और निर्देशक इसके लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इतना ही नहीं चर्चा है कि सलमान खान और विक्की कौशल दोनों प्रतिष्ठित भूमिका के लिए दौड़ में हैं। जानकारी के अनुसार, कबीर खान करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर एक व्यावसायिक एक्शन फिल्म विकसित कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए कास्टिंग के लिए दमदार उपस्थिति वाले स्टार की जरूरत है और कबीर मुख्य भूमिका के लिए सलमान खान और विक्की कौशल दोनों पर विचार कर रहे हैं। कथित तौर पर दोनों कलाकार इस फिल्म में रुचि दिखा रहे हैं। हालांकि, स्क्रिप्ट के अंतिम मसौदे पर अभी भी चर्चा चल रही है। निर्माताओं को उम्मीद है कि सलमान या विक्की में से कोई एक इसे साइन करेगा और फिल्म के साल 2025 के अंत तक फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। कबीर और करण को भरोसा है कि वे हाई-बजट एक्शन थ्रिलर के लिए दो सितारों में से एक को साइन कर लेंगे। सलमान खान अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की शूट में व्यस्त हैं। यह फिल्म अगले साल ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म के एक टीजर की शूटिंग पूरी की है जिसका खुलासा उनके जन्मदिन पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अभिनेता उसी दिन फिल्म से अपना पहला लुक भी जारी करेंगे। विक्की कौशल की बात करें तो वह छावा की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं और वर्तमान में संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर पर काम कर रहे हैं।

बड़े मियां छोटे मियां करने का अलाया को पछतावा

बीते साल बॉलीवुड की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां जिसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ शामिल थे। फिल्म में मानुषी छिल्लर और अलाया एफ भी मेन लीड में शामिल थीं। हाल ही में एक्ट्रेस अलाया ने बताया कि कैसे उस फिल्म ने उन्हें सही फिल्में चुनने के लिए सीख दी। बॉलीवुड में कई फिल्में ऐसी होती हैं जो कभी चलती हैं, तो कभी नहीं चल पाती। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिसे लोग देखे बिना रह नहीं पाते, तो वहीं कुछ ऐसी होती हैं जिसे कोई भी देखना पसंद नहीं करता। साल 2024 में भी ऐसी ही कई सारी फिल्में रिलीज हुई। उनमें से एक फिल्म थी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर बड़े मियां छोटे मियां। फिल्म की कहानी और डायरेक्शन काफी निराश करने वाला था। फिल्म को जिस तरह से लोगों के सामने प्रस्तुत किया जा रहा था, उससे लग रहा था कि फिल्म काफी जबरदस्त होने वाली है। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। उन्होंने बताया कि कैसे उस फिल्म ने उन्हें आगे फिल्में चुनने के लिए सीख दी। अलाया ने बताया, बड़े मियां छोटे मियां ने मुझे कई मायनों में ये साफ कर दिया कि मुझे आगे अपनी जिंदगी में वो क्या चुनना है। फिल्म ने काफी हद तक मेरे चीजों को देखने का नजरिया भी बदल दिया है। अलाया ने आगे बताया कि उनके अंदर ये बदलाव कैसे आया। उन्होंने बताया कि वो इंडस्ट्री में अपना रास्ता भटक चुकी थीं। वो इस इंडस्ट्री में सिर्फ एक्टिंग करने ही आई थीं। उन्होंने अपना काफी समय बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों के पीछे भागने में बर्बाद किया। उन्होंने आगे ये भी कहा कि वो अब थोड़ा अपनी फिल्मों के बारे में सोच विचार करेंगी जो उन्होंने अभी तक बीते सालों में की है। उन्होंने बताया कि उन्हें जैसा अपनी पहली फिल्म जवानी जानेमन करते समय महसूस हुआ था, वो वैसा ही हर फिल्म को करते हुए महसूस करना चाहती हैं। अलाया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2020 में आई कॉमेडी फिल्म जवानी जानेमन से की थी। फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान और तबू भी शामिल लीड रोल में थे। उनका डेब्यू काफी अच्छा था, उन्हें अपने काम के लिए तारीफ भी मिली थी। इसके बाद, उन्होंने काफी सारी फिल्मों में काम किया जिसमें उन्होंने लोगों की तारीफ भी बटोरी। आखिरी बार अलाया को राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत में देखा गया था।

बोलीं- अक्षय और टाइगर श्रॉफ की इस फिल्म से मिली बड़ी सीख

गदर 2 में सास का रोल नहीं करना चाहती थीं सकीना

गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर जाने जाते हैं। हालांकि, इस फिल्म के बाद से मनीषा पटेल और उनके बीच गर्मागर्मी देखने को मिली थी। हाल ही में निर्देशक ने बताया कि फिल्म में अमीषा पटेल ने सास की भूमिका निभाने को लेकर चिंतित थीं। हालांकि, बाद में वह सास का रोल निभाने के लिए तैयार हो गई थीं। एक साक्षात्कार में गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा कि फिल्म में सकीना का किरदार निभाने के लिए उनकी यही एक मांग थी कि वह फिल्म में सास की भूमिका नहीं निभाना चाहती थीं क्योंकि इस फिल्म में वह अपने रोल को लेकर चिंतित थीं। अनिल शर्मा ने कहा, मुझे लगता है कि गदर 2 में सकीना के रोल को उतनी जगह नहीं मिल पाई, जितनी उन्हें गदर 1 में मिली थी। शायद वह उम्र और समाज को समझ नहीं पाईं। उम्र एक ऐसी चीज है कि वह सबको समझ आ जाएगा। अगर एक फिल्म में आप जीते की मां की भूमिका निभाती हैं तो यह स्वाभाविक है कि अगली फिल्म में आपको जीते की पत्नी की सास का रोल भी निभाना पड़ेगा। यह दर्शकों को आसानी से समझ आ जाएगा। अपनी बात को और स्पष्ट करने के लिए अनिल शर्मा ने नरगिस दत्ता का उदाहरण दिया और कहा कि उन्होंने कम उम्र में ही मदर इंडिया की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, ये मानते हैं कि आप बहुत मेहनत कर रही है । अमीषा भी इसी ब्रांडिंग के प्रभाव में थे, लेकिन समय के साथ वह इस चीज को समझ गईं और मामला सुलझ गया।

निर्देशक अनिल शर्मा के समझाने पर मानीं अमीषा

मंदिर में गणेश जी को अर्जी लगाने के लिए चिट्ठी भेजते हैं भक्त, पूरी होती है मनोकामना

दुनियाभर में लाखों करोड़ों मंदिर मौजूद है। इनमें से कुछ मंदिरों को रहस्यमयी तो कुछ को सबसे अलग माना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत का सबसे अलग मंदिर है। क्योंकि इस मंदिर में दर्शन करने के बाद भी भक्त अपनी अर्जी नहीं लगाते बल्कि वे चिट्ठी लिखकर भगवान से प्रार्थना करते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं राजस्थान के सवाई माधौपुर जिले में स्थित रणथंभौर के किले में मौजूद त्रिनेत्र गणेश मंदिर के बारे में। जिसमें चिट्ठी लिखकर भी भक्त अपनी हाजिरी या अर्जी लगाते हैं। डाकिया भी इन चिट्ठियों को पूरी श्रद्धा और सम्मान से मंदिर में पहुंचा देता है। इसके बाद मंदिर के पुजारी गणेश जी के सामने चिट्ठी पढ़कर उनके चरणों में रख देते हैं।मान्यता है कि इस मंदिर में भगवान गणेश जी को निमंत्रण भेजने से सारे काम अच्छी तरह से पूरे हो जाते हैं। साथ ही भक्तों की मनोकामना भी पूरी हो जाती है। बता दें कि राजस्थान के सवाई माधौपुर से लगभग 10 किलोमीटर दूर रणथंभौर के किले में बना गणेश मंदिर भगवान को चिट्ठी भेजे जाने के लिए जाना जाता है। यहां के लोग घर में कोई भी मंगल कार्य करते हैं तो रणथंभौर वाले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते। इस मंदिर का निर्माण 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने करवाया था। ऐसा कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा के सपने में भगवान गणेश को देखा और उन्हें आशीर्वाद दिया। जिसके बाद युद्ध में राजा की विजय हुई। तब उन्होंने अपने किले में मंदिर का निर्माण कराया। इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति बाकी मंदिरों से कुछ अलग है। क्योंकि मूर्ति में मौजूद भगवान गणेश की तीन आंखें हैं। गणेश जी अपनी पत्नी रिद्धि-सिद्धि और अपने पुत्र शुभ लाभ के साथ विराजमान हैं। गणेश जी का वाहन चूहा भी साथ मैं हैं। यहां गणेश चतुर्थी बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। यहां पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है। इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति बाकी मंदिरों से कुछ अलग है। क्योंकि मूर्ति में मौजूद भगवान गणेश की तीन आंखें हैं। गणेश जी अपनी पत्नी रिद्धि-सिद्धि और अपने पुत्र शुभ लाभ के साथ विराजमान हैं। गणेश जी का वाहन चूहा भी साथ मैं हैं। यहां गणेश चतुर्थी बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। यहां पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

अजब-गजब | मोटे होने के लिए खून पीते हैं यहां के लोग

सबसे तगड़ा शख्स माना जाता है हीरो

दुनिया में हर शख्स पतला होना चाहता है। इसके लिए वह तमाम तरह के जतन करता है, लेकिन धरती पर एक जगह ऐसी भी है जहां मोटा होना ताकत की निशानी माना जाता है। यहां सेहतमंद होने के लिए लोग दूध में खून मिलाकर पीते हैं। और सबसे मोटे-तगड़े शख्स को हीरो का दर्जा दिया जाता है। वही शासन करता है। हम बात कर रहे हैं इथियोपिया की बोदी जनजाति के बारे में। इनकी जीवनशैली और परंपराएं ऐसी हैं कि जानकर आप दंग रह जाएंगे। ओमो वैली में रहने वाली बोदी जनजाति की कहानी किसी रोमांचकारी फिल्म से कम नहीं। इन्हें मूल रूप से इथियोपिया का निवासी माना जाता है। दुनिया और समाज से बिल्कुल कटे रहने के बावजूद यह लोग अपनी परंपराओं से बिल्कुल भी समझौता नहीं करते। इनके यहां एक खास तरह की प्रतियोगिता होती है, जिसे कैल करते हैं। इसी के जरिए सबसे मोटे व्यक्ति का चयन किया जाता है और अंत में वही नायक चुना जाता है। उसी पर समाज को सही दिशा निर्देश देने की जिम्मेदारी होती है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतियोगिता में सिर्फ अविवाहित पुरुष ही हिस्सा ले पाते हैं। उन्हें 6 महीने तक एक अलग कमरे में रखा जाता है। खूब खाने-पीने का सामान दिया जाता है ताकि वे मोटे हो सकें। ये लोग 6 महीने तक दूध में गाय का खून मिलाकर पीते हैं। क्योंकि इनका मानना है कि इससे वे जल्दी मोटे हो जाएंगे। इस दौरान फिजिकल रिलेशन बनाने की अनुमति नहीं है।पूरे छह महीने तक हर पुरुष को यही खाना दिया जाता है। गाएं बोडी जनजाति में पवित्र मानी जाती हैं, इसलिए ये लोग उन्हें मारते नहीं हैं। बल्कि भाले या कुल्हाड़ी से एक नस में छेद करके खून लिया जाता है और उसके बाद घाव को मिट्टी से बंद कर दिया जाता है। आप जानकर हैरान होंगे कि चिलचिलाती गर्मी की वजह से हर पुरुष करीब 2 लीटर दूध और खून पी जाता है। पहला कटोरा सूर्योदय के समय दिया जाता है। खून पीने के बाद कोई उल्टी नहीं कर सकता। प्रतियोगिता के दिन सभी पुरुष अपने शरीर को मिट्टी और राख से ढंक लेते हैं ताकि कोई उनकी सेहत पर नजर न लगाए। वहां पहुंचकर सबसे पहले इन्हें एक पवित्र पेड़ के चारों ओर चक्कर लगाना होता है। अन्य पुरुष उनकी निगरानी करते हैं और महिलाएं शराब पिलाती और पसीना पोंछती हैं। चयन के बाद एक बलि दी जाती है। प्रतियोगिता की वजह से बोदी जनजाति के पुरुष इतने मोटे हो जाते हैं कि उनका चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है। वे कहीं भी बैठ नहीं पाते। लेकिन एक बार प्रतियोगिता खत्म होने के बाद इनका जीवन फिर सामान्य हो जाता है।

राहुल गांधी ने की मृत कांग्रेसी कार्यकर्ता के पिता से बात, कहा-

प्रभात के परिवार के साथ खड़ी है पार्टी

» एसआईटी करेगी इस मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदर्शन के दिन दम तोड़ने वाले प्रभात पांडेय के पिता से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फ़ोन पर बात की। संवेदना जताई। मदद का भरोसा दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रभात पांडेय की मौत से पार्टी ने एक संवेदनशील कार्यकर्ता खो दिया है। दुख की इस घड़ी में पूरी कांग्रेस पार्टी परिवार के साथ है। पार्टी की तरह से हर स्तर पर मदद की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रभात अब नहीं है। इस कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकेगा लेकिन जब भी यह परिवार आवाज देगा, वह खुद परिवार के साथ खड़े नजर आएंगे।

अब इस पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई जाएगी। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर डीसीपी मध्य रवीना त्यागी ने एसआईटी का गठन किया है। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि मनीष भतीजे के अंतिम संस्कार के लिए गोरखपुर गए थे। लौटने के बाद उनको साथ लेकर वह कांग्रेस दफ्तर गए थे। दफ्तर के कर्मी द्वारका ने मनीष को सबसे पहले घटना की जानकारी दी थी। द्वारका से घटना क्रम के बारे में पूछताछ की गई। इसके अलावा प्रभात को सिविल अस्पताल ले जाने वाले इनोवा गाड़ी के चालक गायस मोहम्मद से भी जानकारी की गई। पुलिस ने मनीष का बयान भी दर्ज किया है। मनीष ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि प्रभात को किसने प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस दफ्तर बुलाया था। प्रभात का मोबाइल फोन मनीष अपने साथ गोरखपुर लेकर चले गए थे। शुक्रवार को पुलिस ने मनीष से प्रभात का फोन अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस प्रभात के मोबाइल फोन का डाटा खंगाल रही है। मैसेज और चैट की मदद से यह पता लगाया जा रहा है कि वह किसके कहने पर कांग्रेस दफ्तर गए थे। अभी तक की पड़ताल में पुलिस प्रदर्शन मे बुलाने वाले के बारे में पता नहीं लगा सकी है।

पुलिस के आरोप बेबुनियाद और शर्मनाक : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मीडिया में चल रही खबरों से ज्ञात हुआ है कि स्व प्रभात पांडेय की मृत्यु की जांच कर रहे पुलिस दल ने कांग्रेस पार्टी पर साक्ष्यों से छेड़छाड का आरोप लगाया है। यह आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद, दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। हम पूरे मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस परिवार के सदस्य स्व प्रभात पाण्डेय के आकास्मिक निधन से पूरी पार्टी मर्माहत है। पुलिस के अड़चनों के बावजूद उनकी अंत्येष्टि में शामिल हुआ। शांतिपूर्ण तरीके से चल रहे धरने में पुलिसिया बर्बरता के कारण मुझे स्वयं और अन्य कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं। इस बर्बरता की वजह से ही पार्टी के कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत हुई है। पार्टी ने प्रदेश सरकार से मुआवजे के रूप में एक करोड़ रूपये व परिवार में एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी की मांग की। पार्टी दुख की इस घड़ी में प्रभात के परिवार को 10 लाख की मदद की है। पुलिस पेन ड्राइव में सीसीटीवी की सभी रिकॉर्डिंग, डीबीआर ले गई। सरकार इसे राजनैतिक रंग देने की मंशा से काम कर रही है। राजधानी लखनऊ स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रभात पांडेय की जांच के लिए पुलिस उनके चाचा को लेकर यहां पहुंची। पुलिस ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए। मामले में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा हम लगातार पुलिस का सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि घटना की शाम को ही पुलिस सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग ले जा चुकी है। हमने डीबीआर भी पुलिस को सौंप दी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओ के बयान दर्ज करवाने में सहयोग कर रहे हैं। कहा कि प्रभात की मौत के बाद लगातार सहयोग कर रहे हैं। कांग्रेस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करती है।

प्रदेश अध्यक्ष जांच में कर रहे सहयोग

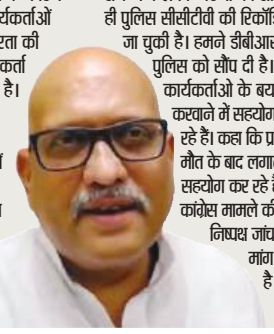

मैं राहुल को जानता हूं, वह सांसद तो क्या किसी को भी धक्का नहीं देंगे : उमर

» भाजपा के आरोपों को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के उस दावे को खारिज कर दिया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद परिसर में सत्ता पक्ष के दो सदस्यों को धक्क। दिया था और कहा कि वह अंदर नहीं थे। उमर ने पोस्ट में लिखा- मैं राहुल को जानता हूं। वह किसी को धक्काा नहीं दे सकते हैं, वह किसी के साथ बुरा या असभ्य व्यवहार करने वाले व्यक्ति नहीं हैं। सांसद तो छोड़िए, वह सड़क पर चलने वाले किसी व्यक्ति को भी धक्का नहीं दे सकते। बीआर आंबेडकर के कथित अपमान को लेकर संसद परिसर में विपक्ष और एनडीए सांसदों के बीच झड़प में पूर्व मंत्री प्रताप चंद्र सारंगी घायल हो गए।

भाजपा ने राहुल गांधी पर वरिष्ठ सदस्य को धक्का देने का आरोप लगाया, कांग्रेस नेता ने इस आरोप को खारिज कर दिया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न देशों द्वारा जारी यात्रा परामर्शों को नरम बनाने में मदद के लिए विदेश मंत्रालय के साथ काम कर रही है। इन यात्रा परामर्शों के कारण विदेशी पर्यटकों के लिए जम्मू कश्मीर की यात्रा करना 'लगभग असंभव' हो गया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 18वें वार्षिक पर्यटन शिखर सम्मेलन 2024 के एक संवाद सत्र में अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर 30 से 35 वर्षों से जिन परेशानियों से जूझ रहा है उसी के कारण ये अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का केंद्र नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा केवल इसलिए है क्योंकि मौजूदा यात्रा परामर्शों के कारण पारंपरिक बाजारों से पर्यटकों के लिए कश्मीर आना 'लगभग असंभव' हो गया है।

मेलबर्न ग्राउंड पर रहा है भारत का पलड़ा भारी

» डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिहाज से अहम है 26 दिसंबर से होने वाला मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 की बराबरी पर चल रही है। दोनों टीमों के बीच ब्रिसबेन के गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था और अब रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम की नजरें 26 दिसंबर से होने वाले चौथे टेस्ट के दौरान मेलबर्न पर जीत दर्ज कर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी।

बता दें कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया पर भारी है। पिछले 10 वर्षों में टेस्ट में यह ग्राउंड भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है। यह आंकड़े भारत के लिए राहत देने वाले हैं क्योंकि टीम की नजरें बढ़त हासिल करने पर टिकी हुई हैं। वहीं भारत को अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इस सीरीज में एक और हार उसके लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल के दरवाजे बंद कर देगी। भारत ने विपरीत परिस्थितियों में जिस तरह तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ कराया उससे टीम के हौसले बढ़े हुए होंगे। भारत अगर चौथा मैच जीतने में सफल रही तो सीरीज गंवाने से बच जाएगी और 2-1 की बढ़त हासिल कर लेगी।

पिछले 10 वर्षों में एमसीजी में एक भी टेस्ट नहीं हारा भारत

भारत अंडर-19 महिला टी-20 एशिया कप के फाइनल में

सिंगापुर। भारत ने अंडर 19 महिला टी20 एशिया कप में अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए श्रीलंका को चार विकेट से हराकर शुक्रवार को फाइनल में प्रवेश कर लिया। आयुषी शुक्ला ने भारत के लिए चार ओवर में दस रन देकर चार विकेट लिए। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम को नौ विकेट पर 98 रन पर रोक दिया। पारूणिका सिसोदिया ने दो विकेट लिए। श्रीलंका के लिए सिर्फ सुमुदु निसांसाला (21) और कप्तान मानुदी एन (33) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। भारत की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज ईश्वरी असवारे तीसरी ही गेंद पर आउट हो गई, लेकिन जी कमलिनी (28) और जी त्रिशा (32) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। भारत ने पहले मैच में पाकिस्तान को नौ विकेट से हराया था। इसके बाद बांग्लादेश और श्रीलंका को मात दी जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बेनतीजा रहा।

एसपी सीतापुर पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप

» आजाद अधिकार सेना ने की एफआईआर की मांग

» पुलिस व हिंदू शेर सेना ने किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने एसपी सीतापुर चक्रेश मिश्रा पर जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने के गंभीर आरोपों के संबंध में एफआईआर की मांग की है। डीजीपी, यूपी को भेजी अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि ग्राम गढ़ी राव, थाना अटरिया, सीतापुर निवासी फतेहुद्दीन द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार 16 दिसंबर 2024 को जब वे एसपी से मिलने गए थे तो एसपी ने उन्हें अवैध असलहा में जेल भेजने और उनके भाई पर रासुका का लगाने की धमकी देकर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया।

ठाकुर ने कहा कि फतेहुद्दीन के अनुसार चक्रेश मिश्रा ने राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू को बुलाकर उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया। इस संबंध में सीतापुर पुलिस ने एक्स हैंडल पर प्रेस नोट देकर फतेहुद्दीन को अपराधिक व्यक्ति बताते हुए इन आरोपों को गलत बताया है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक माहौल में किसी एसपी द्वारा ऐसा किया जा सकता है। ऐसे में बिना एफआईआर और विवेचना के इस मामले में सत्यता सामने नहीं आ सकती है। अत: उन्होंने इस मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर उसकी सीबीसीआईडी से विवेचना कराई जाने की मांग की है।

धारा 5 के अनुसार हो आरोपियों पर कार्रवाई : अमिताभ ठाकुर

अमिताभ ठाकुर ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत दिनों धर्म परिवर्तन को एक अत्यंत ही गंभीर प्रकरण मानते हुए उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म समपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 पारित किया, जिसे 2024 की अधिनियम द्वारा और अधिक कठोर बनाया गया। इस अधिनियम की धारा 3 के अनुसार इस प्रकरण में घटित अपराध के संबंध में कोई भी व्यक्ति सूचना दे सकता है। साथ ही अधिनियम की धारा 5 के अनुसार किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का भय दिखा कर धर्म परिवर्तन कराया जाने पर कम से कम 20 वर्ष की सजा निर्धारित की गई है। प्रथमदृष्टया फखरुद्दीन द्वारा लगाए गए आरोप उपरोक्त अधिनियम की धारा 5 में आते दिखते हैं।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट को हाईकोर्ट से लगा झटका

» सार्वजनिक प्राधिकरण घोषित करने की मांग वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सार्वजनिक प्राधिकरण घोषित करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ के समक्ष एमएचए और राम जन्मभूमि ट्रस्ट दोनों ने याचिका का विरोध किया। एएसजी चेतन शर्मा और सीजीएससी निशांत गौतम ने तर्क दिया कि ट्रस्ट एक स्वायत्त निकाय है और इसे सार्वजनिक प्राधिकरण के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत ने उनके तर्क स्वीकार करते हुए मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। नीरज कुमार द्वारा दायर याचिका में सीआईसी के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें ट्रस्ट के सीपीआईओ और प्रथम अपीलीय प्राधिकरण के बारे में विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया गया था।

फोटो: सुमित कुमार

आक्रोश संसद में अमित शाह के बयान को लेकर समाजवादी पार्टी ने आज पूरे प्रदेश में हल्ला बोल प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंककर भी विरोध जताया। इस प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र को भी अपने हाथों में ले रखा था। इस प्रदर्शन में वरिष्ठ सपा नेता आर. के. चौधरी व राजपाल कश्यप भी मौजूद रहे।

जारी है ऑपरेशन संभल!

आखिरकार बर्क के घर पहुंच ही गया बुलडोजर बिना किसी विरोध के टूटा सांसद का अतिक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जो कभी रामपुर में हो रहा था अब वह संभल में हो रहा है। संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के नवनिर्माणधीन मकान के अवैध अतिक्रमण को बुल्डोजर ने ध्वस्त कर दिया। हालांकि नगर पालिका परिषद और पुलिस प्रशासन की देखरेख में बिजली चेकिंग और अतिक्रमण हटाने का अभियान मुख्य रूप से चल रहा है इसी क्रम में एक हफ्ते के भीतर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण को ध्वस्त किया जा रहा है।

नगर पालिका परिषद के बुलडोजर ने संसद के निर्माणाधीन घर के आगे बनी सीढ़ियों को ध्वस्त कर दिया। अतिक्रमण को ध्वस्त करने के लिए किसी भी तरह का पुलिस फोर्स नहीं लगाया गया था। बहुत ही खामोशी के साथ इस पूरे अतिक्रण को हटाया गया। इस दौरान सांसद के समर्थक भी वहां मौजूद नहीं थे।

पहले ही दर्ज हो चुकी है बिजली चोरी की एफआईआर

सपा सांसद जियाउर्रहमान के उपर पहले ही बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज हो चुकी है और उनहें भारी भरकम राशि चुकाने का नोटिस भी जारी किया जा चुका है। इसी दरम्यिान प्रशासन ने संभल में चल रहे अवैध ईंट-भट्टों के विरूध हो रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। एसडीएम के नेतृत्व में 8 अवैध ईंट-भट्टों के उपर बुलडोजर की कार्रवाई की भी जा चुकी है। गौरतलब है कि सर्वे के बाद 148 ईंट-भट्टों की पहचान कि गयी है जो नियमानुसार नहीं चल रहे हैं। जल्द ही इन ईंट-भट्टों पर भी कार्रवाई होगी।

आजम खां ने किया था आगाह

आजम खां जेल से चिट्ठी लिख कर पहले ही चेता चुके हैं कि जो रामुपर में हो चुका है वह सभंल में होगा। संभल में सबसे मजबूत किले के तौर पर बर्क परिवार ही आता है। हालांकि सांसद के पिता ने आगबबूला लेकर प्रशासन पर आरोप लगाया था कि वह बेवाजह की कार्रवाई कर रहा है और बर्क परिवार को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा था कि निर्माणाधीन मकान सांसद के नाम पर नहीं है तो फिर उनका नाम क्यों लिया जा रहा है।

शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा न बनाएं: भागवत

» मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर उठाए सवाल, बोले- बदलते समय के साथ चलो

» संघ प्रमुख ने एक बार फिर भाजपा व मोदी पर छोड़े शब्दबाण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत भाजपा व पीएम मोदी पर अपरोक्ष रूप से हमला जारी करने में चूक नहीं रहे हैं। अभी हाल ही में मंदिर-मस्जिद के नए मुद्दे उठाने पर नाराजगी जाहिर की थी। अब भागवत ने मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाए हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदान करने वाली के रूप में काम करना चाहिए।

बदलने समय के साथ चलने की जरूरत हे। उन्होंने ने जोर देकर कहा कि सिस्टम को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाते हुए बुनियादी मूल्यों में निहित रहना भी जरूरी है।बानेर में लोकसेवा ई स्कूल का उद्घाटन करने के दौरान बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है, बल्कि अच्छे इंसान बनाने का एक व्रत है।शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदान करने वाली के रूप में काम करना चाहिए। हमें आधुनिक और प्राचीन को एक साथ रखने की जरूरत है।

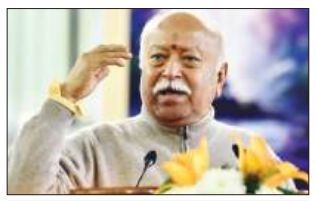

सिर्फ नियामक की तरह न काम करे शिक्षा प्रणाली

मोहम भागवत ने कहा कि शिक्षा प्रणाली को केवल नियामक के रूप में काम करने के बजाय छात्रों को सशक्त बनाने के साधन के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने पर केंद्रित होनी चाहिए, न कि क्या करें और क्या न करें लागू करने पर।

उत्तराखंड में यूसीसी का मकसद केवल राजनीतिक लाभ है: रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा लाई गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ है। इंडियन वूमेन प्रेस कोर (आईडब्ल्यूपीसी) में पत्रकारों के साथ बातचीत में रावत ने कहा कि समान नागरिक संहिता एक राज्य का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, यूसीसी राज्य का मुद्दा नहीं है।

नाम से ही पता चलता है कि इसका मतलब पूरे देश के लिए एक समान नागरिक संहिता से है। अगर हर राज्य अपने कानून बनाएगा, तो यह एक समान कैसे होगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य सरकार अब तक यूसीसी के नियम नहीं बना पाई है। उन्होंने सवाल किया कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में भी, कुछ समुदायों को यूसीसी से बाहर रखना पड़ा, तो यह समान नागरिक संहिता कैसे है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा था कि उत्तराखंड की तर्ज पर भाजपा शासित हर राज्य में यूसीसी लाया जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने कहा है कि जनवरी में उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी।

गृह मंत्री माफी मांगें नहीं तो देशभर में प्रदर्शन करेगी बसपा: मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- बाबा साहेब का अपमान नहीं सहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डॉ. भीमराव आंबेडकर का अपमान करने के मुद्दे पर बहुजन समाज पार्टी 24 दिसंबर को देश भर में विरोध प्रदर्शन करेगी। पहले यह प्रदर्शन केवल यूपी में होना था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा माफी नहीं मांगने की वजह से बसपा अध्यक्ष मायावती ने अब देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है।

बसपा सुप्रीमो ने शनिवार को इस बाबत जारी अपने बयान में कहा कि देश के दलित, वंचित व अन्य उपेक्षितों के आत्म-सम्मान व मानवीय हकूक के लिए मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर भगवान की तरह पूजनीय हैं। उनका अमित शाह द्वारा किया गया अनादर लोगों के दिलों को आहत कर रहा है। ऐसे महापुरुष को लेकर संसद में इनके द्वारा कहे गए शब्दों से पूरे देश में सर्वसमाज के लोग उद्वेलित, आक्रोशित व आन्दोलित हैं। बसपा ने उनसे बयान वापस लेने व पश्चाताप करने की मांग की, जिस पर अभी तक भी अमल नहीं किया जा रहा है। ऐसे में मांग न पूरी होने पर देशभर में आवाज उठाने की बात बसपा द्वारा की गई है। इसलिए अब पार्टी ने अपनी इस मांग के समर्थन में 24 दिसंबर को देशव्यापी आन्दोलन करने का फैसला लिया है।

उत्तर भारत में शीतलहर की चेतावनी, छाएगा घना कोहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने हिमाचल प्रदेश यूपी और राजस्थान के कई हिस्सों में 24 दिसंबर को शीतलहर की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने 20 दिसंबर को अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 20 से 24 दिसंबर के बीच हिमाचल प्रदेश में शीत लहर गंभीर स्थिति में होगी। वहीं ये स्थिति आगे 26 दिसंबर तक जारी रह सकती है।

मौसम विभाग की मानें तो 21 और 22 दिसंबर को पंजाब और राजस्थान में शीत लहर चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 22 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में देर रात और सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी भी दी है। पंजाब और हरियाणा के कई इलाके बीते कुछ दिनों से ठंड की चपेट में आए हुए है। इससे पहले 19 दिसंबर को फरीदकोट में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर में, घाटी में तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया, श्रीनगर में शुक्रवार को मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, पीटीआई ने बताया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।